XII

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Sociology

Lecture II

परिवार के प्रकार — (II) विवाह के स्वरूपों के आधार पर परिवार

(i) एक विवाही परिवार - यह परिवार का वह स्वरूप है जिसमें एक पुरुष और एक स्त्री विवाह के पश्चात् परिवार का निर्माण करते हैं। भारत व विश्व के अन्य समाजों में भी परिवार का यह स्वरूप अत्यधिक प्रचलित है। भारत की जनजातियों खासी, संथाल, कादर और हो में इसका प्रचलन है।

(ii) बहुविवाही परिवार - इस प्रकार का परिवार जिसका निर्माण एक से अधिक स्त्री या पुरुष के वैवाहिक सम्बन्धों से होता है। इसके निम्नलिखित स्वरूप हैं —

a) बहुपत्नी विवाही परिवार - यह परिवार का वह रूप है जिसका निर्माण एक पुरुष का एक से अधिक स्त्रियों से वैवाहिक सम्बन्ध द्वारा होता है। इस तरह के परिवार में पति एक पत्नियां कई होती हैं। परिवार की सत्ता पुरुष व पति के हाथों में होती है। किन्तु अब भारतीय समाज में इसका प्रचलन कम देखने को मिलता है। मुस्लिम समाज में आज भी इसका प्रचलन है।

2020-8-21 09:44

(b) बहुपति विवाही परिवार - यह परिवार का वह रूप है जिसका निर्माण एक स्त्री का एक से अधिक पुरुषों से वैवाहिक सम्बन्ध द्वारा होता है। इस तरह के परिवार में पत्नी एक और पति कई होते हैं। परिवार की सत्ता स्त्री व पत्नी के हाथों में होती है। भारत की टोडा खस एवं मालाबार की नायर आदि जनजातियों में इसका प्रचलन है। इसके भी दो रूप हैं- जब स्त्री के पति भाई-भाई हो, तो ऐसे परिवार को भ्रातृ बहुपति विवाही परिवार कहा जाता है। किन्तु जब स्त्री के पति आपस में भाई-भाई न हो तो उसे अभ्रातृ बहुपति विवाही परिवार कहते हैं।

(c) समूह विवाही परिवार - यह परिवार का वह स्वरूप है जिसका निर्माण कई स्त्री का कई पुरुषों से वैवाहिक सम्बन्ध द्वारा होता है। इस तरह के परिवार में कई पत्नियां और कई पति आपस में एक दूसरे से सम्बन्धित होते हैं। परिवार का यह रूप एक या दो आदिम जातियों में देखा जाता है।

2020-8-21 09:44